सफलता की कहानी कृषक की जुबानी

नाम कृषक–श्री संकल चन्द राणा
पिता का नाम–श्री विजेन्द्र सिंह राणा
गॉव–डांडागॉव
पोस्टऑफिस–गडूगाड,
तहसील–मोरी (उत्तरकाशी)

मैने आज से 20 साल पूर्व कृषकों की उन्नति के बारे में पढ़ा जिससे कि मुझे कृर्षि करने की इच्छा उगने लगी फिर मेरे मन में विचार आये की मै कृर्षि करने के लिये कौन सी फसल सफलता तक पहुचायेगी इसमे सेब के बारे में मुझे अच्छा व्यवसाय है और मैने हिमाचल से खरीद कर लगाई फिर इसके बाद मेने उद्यान केन्द्र, मोरी से पौधे और जानकारी दवाईयॉ भी मिली है। फिर मेरे मन में जिज्ञासा हुई कि सेब से बढकर कोई कृषि भी नहीं है। लेकिन बगीचा रोड से करीब 3 किमी0 दूरी पर है फिर हमें काफी परेशानी होती है क्योकि खच्चर की व्यवस्था नहीं हो पतीा है फिर वह समय पर मण्डी नहीं पहुॅच पाता है। फिर वह उचित मूल्य पर नहीं बिक पाते है। उद्यान विभाग मोरी से काफी जानकारी मिली और अन्य लोगो से भी जानकारी प्राप्त हुई है सेब कि फसल पौधा अच्छी तरह से उठ रहा है क्योकि मेरी कृषि ही सेब है। उद्यान केन्द्र मोरी से हमें दवाईयां और हर प्रकार कि जानकारी भी मिली। मै आज से आपना जीवन सेब की फसल से व्यतीत करता हूॅ।

संकल चन्द राणा
गॉव–डांडागॉव
पोस्टऑफिस–गडूगाड,
तहसील–मोरी (उत्तरकाशी)